नईदुनिया

गुणवत्तापूर्ण और संस्कार आधारित शिक्षा से ही विकसित भारत का निर्माण : राज्यपाल

युवाओं को मिलेगा कौशल और रोजगार, उच्च शिक्षा में होंगे आधुनिक पाठ्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के युवा नैतिक मूल्यों के साथ समय की मांग के अनुरूप शिक्षित, प्रशिक्षित और आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो ज्ञान, कौशल और भारतीय मूल्यों से समृद्ध हों। उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय कार्य किया है। कार्यशाला का उद्देश्य उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को आधुनिक, रोजगारोन्मुख, बहुविषयक और प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना है, ताकि विद्यार्थियों को बदलते समय के अनुरूप बेहतर अवसर मिल सकें।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। राज्य सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल विकास और रोजगार आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप नए पाठ्यक्रम तैयार करने और विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग ने विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के साथ कई सहमति-पत्रों का आदान-प्रदान किया। इन समझौतों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कौशल, सेमीकंडक्टर, आपदा प्रबंधन, फोरेंसिक विज्ञान, साइबर सुरक्षा, जलवायु अध्ययन, वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जाएगा। कार्यशाला में देशभर के शिक्षाविद, वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ, कुलगुरु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और संस्कार आधारित शिक्षा ही विकसित भारत के निर्माण का आधार है। युवाओं को कौशल, रोजगार और भारतीय मूल्यों से जोड़ने वाली शिक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने शिक्षा जगत से ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करने का आह्वान किया जो स्थानीय उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप हों और विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकें।

राज्यपाल मंगलवार को आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत 'उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम : दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षा को जीवन, शोध, नवाचार, रोजगार और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित कर मांग आधारित नए पाठ्यक्रम तैयार करने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर प्लेसमेंट मिल सके।

ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन में 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि होंगे शामिल

- चार दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक सहयोग, विरासत संरक्षण और जनभागीदारी पर रहेगा विशेष जोर
- सांस्कृतिक कूटनीति का केंद्र बनेगा भोपाल
- प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मंत्रिस्तरीय बैठक और सांची भ्रमण रहेगा आकर्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल में 5 अगस्त से चार दिवसीय ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 का शुभारंभ होगा। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन केंद्र में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य तथा भागीदार देशों के प्रतिनिधिमंडल, संस्कृति मंत्री और सौ से अधिक विदेशी अतिथि शामिल होंगे। सम्मेलन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल तथा मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पहले दिन प्रतिनिधियों का पंजीकरण, मान्यता, द्विपक्षीय वार्ता तथा विशेष प्रदर्शनियों का अवलोकन होगा। शाम को प्रतिनिधिमंडल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय पहुंचेगा, जहां पारंपरिक स्वागत, मृदा शिल्प प्रदर्शनी, जनजातीय संस्कृति, लोक जीवन और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान ज्ञान भारतम्, प्रोजेक्ट मौसम तथा प्रोजेक्ट बृहत्तर भारत विषयों पर विशेष प्रदर्शनियां आम नागरिकों के लिए खुली रहेंगी। इनका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री संबंधों और सभ्यतागत जुड़ाव को प्रदर्शित करना है।

6 से 8 अगस्त तक सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, संग्रहालय, रचनात्मक उद्योग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। रवींद्र भवन में ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव तथा सहयोगात्मक संगीतमय प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी।

7 अगस्त को 'अमृतस्य मध्यप्रदेश-एक अलौकिक सांस्कृतिक महायात्रा' की विशेष प्रस्तुति होगी, जिसमें प्रदेश की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का मंचन किया जाएगा।

8 अगस्त को संस्कृति मंत्रियों की बैठक में साझा घोषणा-पत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद विदेशी प्रतिनिधिमंडल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची का भ्रमण करेगा, जहां स्तूप, चेतियागिरि मंदिर, योग एवं ध्यान सत्र तथा त्रिआयामी प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन का आयोजन होगा। इच्छुक प्रतिनिधियों के लिए 9 अगस्त को भीमबेटका शैलाश्रयों के भ्रमण की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही सम्मेलन के दौरान हेरिटेज वॉक, पक्षी दर्शन, शिकारा विहार और हस्तशिल्प खरीदारी जैसी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

31 तक मिलेगा अगस्त और सितंबर का राशन एकसाथ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पात्र हितग्राहियों को अगस्त और सितंबर माह की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण 31 अगस्त तक सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राशन का शत-प्रतिशत उठाव 15 अगस्त तक पूरा कर उचित मूल्य की दुकानों में पर्याप्त भंडारण किया जाए।

अंत्योदय अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति परिवार 35 किलोग्राम गेहूं और चावल, जबकि प्राथमिकता परिवार श्रेणी के हितग्राहियों को प्रति सदस्य 5 किलोग्राम राशन दिया जाएगा। दोनों श्रेणियों के परिवारों को एक किलोग्राम नमक भी उपलब्ध कराया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि राशन वितरण के दौरान पीओएस मशीन पर अगस्त और सितंबर दोनों माह के लिए अलग-अलग बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत राशन की समय पर आपूर्ति, जीपीएस से निगरानी तथा वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित अधिकारियों और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं।

आवासीय भवनों में कमर्शियल एक्टिविटी

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई, रहवासी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः आवासीय भवनों में कमर्शियल गतिविधियों को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब बुधवार को इस मामले की सुनवाई होगी। शहर के अरेरा कॉलोनी सहित कई आवासीय इलाकों के रहवासी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल होंगे और अपनी शिकायतों के समर्थन में फोटो तथा वीडियो पेश करेंगे।

शहर के कई इलाकों में लंबे समय से आवासीय प्रॉपर्टी पर व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं। अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावड़ियाकलां सहित अन्य क्षेत्रों के रहवासी इस मुद्दे पर वर्षों से शिकायत कर रहे थे। रहवासी पूर्णेंदु शुक्ला एवं अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में सख्ती दिखाई है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नगर निगम ने दो दिन तक कई प्रतिष्ठानों को सील किया। कुछ व्यापारियों ने स्वयं दुकानें बंद कर दीं। लेकिन रविवार शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में व्यापारियों को फिलहाल राहत देने का फैसला लिया गया।

मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की समीक्षा के लिए राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए।

आज सुप्रीम कोर्ट में रहवासी अपना पक्ष रखेंगे और सबूत पेश करेंगे। पूरी स्थिति पर आगे क्या फैसला आता है, इस पर सभी पक्ष नजर बनाए हुए हैं।

उत्कृष्ट प्राचार्यों को मिलेगा सम्मान

9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान जनभागीदारी के साथ चलाया जाएगा। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अभियान को विशेष रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी 'हर घर तिरंगा' पोर्टल पर अपलोड करने और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान तिरंगा यात्रा, प्रदर्शनी, रंगोली, बुनाई, प्रश्नोत्तरी, साइकिल एवं ई-बाइक रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वयंसेवी गतिविधियों के आयोजन होंगे। खादी एवं पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज स्थानीय स्व-सहायता समूहों और उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। 7 अगस्त से 'जन-विश्वास अभियान-2026' की शुरुआत छिंदवाड़ा से होगी, जिसका उद्देश्य सुशासन, सेवा वितरण और जनता से सीधा संवाद मजबूत करना है। बोर्ड परीक्षाओं में लगातार तीन वर्षों तक शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों को एक लाख रुपये की सम्मान राशि तथा संबंधित विद्यालयों के विकास कार्यों के लिए पांच लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

• तंत्र, मंत्र और नारियल रोकेगा...

मंत्रालय की सबसे ऊपरी मंजिल का एक कक्ष इन दिनों खास चर्चा में है। वजह यह कि वहां बैठने वाले साहब ज्यादा दिन टिकते नहीं। इस बार भी नए साहब के पदभार संभालने से पहले शुभचिंतकों ने पूजा-पाठ और नारियल फोड़ने की सलाह दे डाली। मगर साहब ठहरे तर्कवादी, इसलिए उन्होंने कर्म पर भरोसा जताया। अब देखना यह है कि यहां तंत्र भारी पड़ता है या मंत्र।

• आखिर कन्नी क्यों काट रहे हैं...

एक दौर था, जब इस निगम में पदस्थ होने के लिए बड़े-बड़े साहब हर जुगाड़ लगा देते थे।

बजट भी भरपूर, सुविधाएं भी भरपूर और रुतबा भी अलग। अब हालात ऐसे हैं कि नाम सुनते ही अधिकारी कन्नी काटने लगे हैं। लगता है, मलाई कम होते ही मोह भी खत्म हो गया।

• साहब विभाग से क्या हटे, दाना-पानी बंद...

मलाईदार विभाग में रहते हुए साहब के अपने और अपनों के लिए हर दरवाजा खुला रहता था। विभाग बदलते ही वही दरवाजे अब कैश काउंटर में बदल गए। पिछले दिनों बच्चों के साथ एक बड़े दरबार पहुंचे तो पुराने अंदाज में आदेश दे बैठे। जवाब मिला, 'सर, अब पेमेंट करना पड़ेगा।' बस फिर क्या था, साहब ने मुस्कुराकर लौट जाना ही बेहतर समझा।

• जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास भारी पड़ गया...

एक युवा बड़े साहब को हर काम की रील बनाने का ऐसा शौक चढ़ा कि इस बार रील ही रियल मुसीबत बन गई। एक वीडियो ने जिले भर में ऐसी चर्चा छेड़ी कि साहब सुर्खियों में आ गए। दिलचस्प बात यह है कि चर्चा से सबक लेने के बजाय साहब अब भी जनसरोकार के नाम पर कैमरे से दूरी बनाने के मूड में नहीं हैं।

• मेहरबानों की तलाश...

सीमावर्ती जिले के कुछ अधिकारी परिवार सहित पड़ोसी राज्य घूम आए। खरीदारी भी हुई, पिकनिक भी हुई, लेकिन जेब से एक रुपया भी नहीं निकला। अब पूरे जिले में चर्चा इस बात की नहीं कि साहब क्या खरीदकर लाए, बल्कि इस बात की है कि आखिर वह मेहरबान कौन है, जिसने पूरा हिसाब अपने जिम्मे ले लिया।

• साहब के मोबाइल की चर्चा...

इन दिनों एक बड़े जिले के माननीय साहब के प्रशासनिक फैसलों से ज्यादा उनके इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स चर्चा में हैं। हाथ में नया एप्पल मोबाइल, साथ में लग्जरी एक्सेसरीज... देखने वाले भी हैरान हैं। लोग मजाक में कह रहे हैं कि अगर प्रशासन भी गैजेट्स की तरह इतनी तेजी से अपग्रेड होता रहा, तो जिले की तस्वीर बदलने में देर नहीं लगेगी।

दतिया उपचुनाव परिणामों की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय समिति गठित

नप्र, भोपाल : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणामों की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे तथा वरिष्ठ नेता अंबाराम कराड़ा को सदस्य बनाया गया है। समिति चुनाव से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारियों तथा वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर उपचुनाव परिणामों के कारणों का विस्तृत विश्लेषण करेगी। इसके बाद समिति अपने निष्कर्षों सहित प्रतिवेदन प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को सौंपेगी। भाजपा का कहना है कि समीक्षा का उद्देश्य चुनाव परिणामों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन कर संगठनात्मक स्तर पर आवश्यक पहलुओं का अध्ययन करना है, ताकि भविष्य की रणनीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राकेश सिंह और दिलीप अहिरवार ने सुनीं जनसमस्याएं

नप्र, भोपाल : कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह तथा मंत्री दिलीप अहिरवार ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने।

इस दौरान दोनों मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं द्वारा उठाए गए विभिन्न मामलों पर संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। मंत्रीद्वय ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनके माध्यम से प्राप्त प्रत्येक जनसमस्या का गंभीरतापूर्वक परीक्षण किया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

ट्रेन में झाड़ू लगाते-लगाते करता था चोरी, आरोपी गिरफ्तार

महिला यात्री के पर्स से उड़ाया था दो तोला सोने का मंगलसूत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ट्रेनों में झाड़ू लगाने की आड़ में महिला यात्रियों के पर्स से कीमती सामान चोरी करने वाले शातिर चोर को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से करीब दो तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब ढाई से तीन लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी पहले भी चोरी के मामलों में पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। जीआरपी के अनुसार रायपुर निवासी चित्ररेखा 20 जुलाई को अपने पति के साथ 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के ए-1 कोच में रायपुर से निजामुद्दीन जा रही थीं। भोपाल स्टेशन पहुंचने से पहले किसी अज्ञात बदमाश ने सीट पर रखा उनका लेडिस पर्स चोरी कर लिया। कुछ देर बाद पर्स ट्रेन के बाथरूम में मिल गया, लेकिन उसमें रखा दो तोला सोने का मंगलसूत्र गायब था। मामले की शिकायत निजामुद्दीन स्टेशन पर दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर जीआरपी भोपाल ने बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी ने खोल दिया राज

पुलिस अधीक्षक रेल अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू डावर एवं उप पुलिस अधीक्षक रामस्नेह चौहान के निर्देशन में गठित टीम ने स्टेशन और ट्रेन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक की पहचान हुई, जिसे तलाश कर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संतोष (22) निवासी मुस्कान कॉलोनी, अयोध्या बायपास, भोपाल बताया और महिला यात्री के पर्स से मंगलसूत्र चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किया गया दो तोला सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रेनों में झाड़ू लगाकर गुजर-बसर करता है। इसी दौरान यात्रियों की लापरवाही का फायदा उठाकर उनके पर्स और बैग से कीमती सामान चुरा लेता था। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। जानकारी के मुताबिक एक हादसे में ट्रेन से गिरने के कारण वह अपनी एक टांग भी गंवा चुका है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

9 अगस्त से रीवा-भोपाल और रीवा-कोलकाता के बीच शुरू होगी विमान सेवा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से सौजन्य भेंट कर 9 अगस्त से शुरू होने वाली रीवा-भोपाल और रीवा-कोलकाता विमान सेवाओं के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। नई 72-सीटर विमान सेवा से विंध्य क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री ने कहा मध्यप्रदेश में हवाई संपर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। रीवा से भोपाल और कोलकाता के लिए शुरू होने वाली उड़ानें उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और निवेश के नए अवसर पैदा करेंगी। इससे स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, उद्यमियों और पर्यटकों को भी सीधा लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट, जो कभी केवल एक हवाई पट्टी था, आज उड़ान योजना के तहत विकसित होकर विंध्य क्षेत्र के विकास का मजबूत केंद्र बन गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली और रायपुर से हवाई संपर्क मिलने के बाद क्षेत्र में यात्री सुविधाएं बढ़ी हैं। अब 9 अगस्त से भोपाल और कोलकाता के लिए नई विमान सेवाएं शुरू होने से विंध्य क्षेत्र का देश के पूर्वी और मध्य भाग के प्रमुख शहरों से संपर्क और अधिक सशक्त होगा।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन -1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। * भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, www.naiduniaonline.com